Anveshan (अन्वेषण): A Multidisciplinary Journal in Hindi
Vol. 1, Issue 1 - 2017

पर्यटन के माध्यम से सामाजिक–सांस्कृतिक विनिमय

रामावतार*

पर्यटन एक ऐसी यात्रा है जो मनोरंजन या फुरसत के क्षणों का आनंद उठाने के उद्देश्य से की जाती है। विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटक वे लोग हैं जो– यात्रा करके अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों में रहने जाते हैं", यह दौरा ज्यादा से ज्यादा एक साल के लिए मनोरंजन, व्यापार, या अन्य उद्देश्यों से किया जाता है, यह उस स्थान पर किसी खास क्रिया से सम्बंधित नही होता है।

Hunziker और Krapf के अनुसार– पर्यटन गैर निवासियों की यात्रा और उनके ठहरने से उत्पन्न सम्बंध और प्रक्रियाओं का योग है।

दयूरिरट रोराइटी ऑफ इंग्लैण्ड के अनुसार– पर्यटन लोगों का किसी बाहरी स्थान पर अस्थायी और अल्पकालिक गमन है प्रत्येक गंतव्य स्थान में ठहरने के दौरान पर्यटक सामान्यतया यहाँ रहते हैं और काम करते हैं। इसमें सभी उद्देश्यों के लिए गमन शामिल है।

इन्टरनेशनल एशोसिएशन ऑफ साईंटिफिक एक्सपर्टस इन टयूरिज्म के अनुसार– पर्यटन घर के वातावरण के बाहर चयनित विशिष्ट गतिविधियाँ हैं।

धनी लोगों ने हमेशा दुनिया की बड़ी इमारतों और कलाकृतियों को देखने के लिए दुनिया के दूर–दूर तक के क्षेत्रों तक यात्रा की है, ऐसा वे नई भाषाएँ जानने, संस्कृतियों का अनुभव करने के लिए और नए तथा अलग स्वाद के व्यंजनों को चखने के लिए करते आये हैं। पर्यटन शब्द का प्रयोग 1811 में किया गया। ऐसा कहा जा सकता है, कि यूरोपीय पर्यटन ने मध्ययुगीन तीर्थयात्रा को आरम्भ किया है। कैंटरबरी कहानियों में बताया गया है कि तीर्थयात्री प्रारंभिक रूप से धार्मिक कारणों से यात्रा पर जाते थे. फिर भी इसे अवकाश (holiday) माना गया है, holiday स्वयं holy शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है, पवित्र दिन जो फुर्सत के क्षणों से सम्बंधित है। तीर्थ स्थान भी पर्यटन के पहलू से कई सुविधाएँ उपलब्ध कराते हैं, जिसमें शामिल हैं– bringin back souvenirs विदेशी बैंको से ऋण की प्राप्ति, मध्यकाल में यहुदियों और Lombards ने अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क का उपयोग शुरू किया और परिवहन के उपस्थित रूपों के आधार पर उपलब्ध स्थान का उपयोग शुरू किया 17वीं सदी के दौरान, इंग्लैण्ड में एक बड़ी यात्रा पर जाना एक फैशन बन गया था। कुलीन और भद्र लोगों के पुत्र शैक्षणिक अनुभव के लिए यूरोप के दौरे पर भेजे जाते थे। 18वीं शताब्दी बड़ी यात्राओं के लिए स्वर्णयुग था और बहुत से फैशनेबल आगंतुकों को चित्रित किया गया है।

पर्यटन के प्रकार

स्वास्थ्य पर्यटन

रोमन स्नान पर स्वास्थ्य पर्यटन लंबे समय तक मौजूद रहा, लेकिन 18वीं शताब्दी तक यह महत्त्वपूर्ण बन गया।

*शिक्षा अनुसंधानकर्त्ता, आई. ए. एस. ई. मान्य विश्वविद्यालय, सरदारशहर।
Correspondence E-mail Id: editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

इंग्लैण्ड में यह स्पा से सम्बंधित था, ऐसा स्थान जहाँ स्वास्थ्यकारी मिनरल वाटर दिया जाता था, गठिया से लेकर यकृत विकार और ब्रोन्काइटिस जैसी बिमारियों का इलाज किया जाता था, ऐसे जल स्थानों पर जाने वाले लोगों को गेंदो और अन्य मनोरंजक चीजों का उपयोग करने कि अनुमति दी जाती थी जिसने कई फैशनेबल यात्रियों को आकर्षित किया।

सृजनात्मक

पर्यटन की शुरूआत से ही निर्माणात्मक पर्यटन ने अपना अस्तित्व सांस्कृतिक पर्यटन के रूप में बनाये रखा है। यूरोप में लोगों को अपने पिछले रागय की बड़ी यात्राओं की याद आई, जब कुलीन परिवार के पुत्रों को शैक्षिक अनुभव के उद्देश्य से यात्रा पर भेजा जाता था। इसे हाल ही में, क्रिस्पिन रेमंड और ग्रेग रिचर्ड्स, के द्वारा निर्माणात्मक पर्यटन का नाम किया गया है। सृजनात्मक पर्यटन/ सांस्कृतिक पर्यटन/ शिल्प पर्यटन/ निर्माणात्मक पर्यटन को मेजबान समुदाय की संस्कृति में यात्रियों की सक्रिय भागीदारी से सम्बंधित पर्यटन के रूप में परिभाषित किया है, जो अनौपचारिक शिक्षा और आपस में बैठकर की गई कार्यशालाओं के माध्यम से कार्यान्वित होती है साथ ही, निर्माणात्मक पर्यटन की अवधारणा को उच्चस्तरीय संगठनों जैसे Unesco के द्वारा अपनाया गया है, जो क्रियटिव शहर नेटवर्क के माध्यम से निर्नाणत्मक पर्यटन को एक प्रमाणिक अनुभव मानते हैं, यह एक स्थान विशेष के सांस्कृतिक लक्षणों को सक्रिय रूप से समझने में मदद करता है।

मनोरंजक यात्रा

मनोरंजन यात्रा यूनाइटेड किंगडम के उद्योगीकरण से सम्बंधित थी;– यह पहला यूरोपीय देश था जिसने बढ़ती हुई औद्योगिक जनसख्या के मनोरजन को बढावा दिया। प्रारम्भ में, यह मशीनरी के मालिकों के उत्पादन, कुलीनतंत्र की आर्थिक अवस्था, फैक्ट्री के मालिक और व्यापारियों पर लागू हुआ। इसमें नया मध्यम वर्ग शामिल है कॉक्स एण्ड किंग्स 1748 में गठित प्रथम यात्रा कम्पनी थी। बाद में, श्रमिक वर्ग फुरसत के समय का लाभ उठाने लगा, ब्रिटिश मूल का यह नया उद्योग कई जगहों के नामों से परिलक्षित होता है।

फ्रांस में French Riviera पर समुद्र के सामने सबसे पहले स्थापित होली डे रिसॉर्ट promenadedes Anglais के नाम से जाना जाता है; कई पर्यटक फुरसत में गर्मी और सर्दियों दोनों में कॉटेबंधों में जाते हैं।

शीतकालीन पर्यटन

स्विस अल्पस में शीतकालीन खेलों का चलन मुख्य रूप से ब्रिटिश स्वच्छंद वर्गों के द्वारा किया गया। प्रारम्भ में 1864 में स्विस गाँव जरमेट और सेन्ट मोरित्ज में इन्हे खोजा गया। पहले–पहल पेकेज्ड शीतकालीन अवकाश खेल 1902 में एडलबोडन, स्विट्जरलैण्ड में हुए। शीतकालीन खेल इन स्वच्छंद लोगों के लिए एक प्राकृतिक जवाब था जो ठंडे मौसम के दौरान मनोरंजन की तलाश कर रहे थे।

शैक्षिक पर्यटन

शैक्षिक पर्यटन का विकास अध्यापन की बढती लोकप्रियता, ज्ञान के विकास और कक्षा के बाहर के वातावरण में तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बढने के कारण हुआ है। शैक्षिक पर्यटन में यात्रा का मुख्य उद्देश्य होता है, दूसरे देश की संस्कृति के बारे में जानना और सीखना या भिन्न वातावरण में कक्षा के अन्दर अपनी सीखी हुई चीजों पर काम करना और उन्हे लागू करना।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

निर्माणात्मक पर्यटन

अभी हाल ही में निर्माणात्मक पर्यटन को सांस्कृतिक पर्यटन के रूप में लोकप्रियता मिल गई है, इससे पर्यटकों ने गंतव्य देश की संस्कृति में सक्रिय रूप से भाग लिया है। यथा पाश्चात्य लोग भारत भ्रमण पर आते हैं, यहाँ के तीज–त्योहारों और सामाजिक सांस्कृतिक समारोहों में भाग लेते हैं।

साहसिक पर्यटन

इस दौरान पर्यटक किसी साहसिक यात्रा की आशा रखते हैं, एक स्थानीय व्यक्ति से अलग, पर्यटक का नजरिया गतव्य को लेकर भिन्न होता है। जैसे– विदेशी सलानियो द्वारा ऊँट सवारी, रेगिस्तान भ्रमण पर्वतारोहण इत्यादि।

काला पर्यटन

इस प्रकार का भ्रमण युद्ध भूमि, भयानक दृश्यों और अपराधों के कृत्यों, नरसंहार की क्रियाओं वाले स्थानों की यात्रा शामिल है। दरअसल काला पर्यटन नैतिकता के लिए गंभीर खतरा है।

पारिस्थितिकी पर्यटन

Eco-System को जानने के उद्देश्यों से की जाने वाली यात्रा। यथा–वनस्पतिविशेषज्ञों, पक्षी प्रेमियों और पर्यावरणविदों का राजस्थान की धरा पर भ्रमण।

चिकित्सा पर्यटन

सस्ती और सठीक चिकित्सा सेवा के उद्देश्यों से की जाने वाली यात्रा। जैसे–विदेशियों द्वारा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लिए पतंजलीयोगपीठ, ब्रह्मकुमारी इश्वरीय विश्व–विद्यालय का शांतिपीठ आश्रम इत्यादि का भ्रमण।

पर्यटन का विकास

विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) का पुर्वानुमान है कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन 4.00 % की औसत वार्षिक दर के साथ बढता रहेगा। 2020 तक यूरोप सर्वाधिक लोकप्रिय गंतव्य रहेगा,e-commerce के आगमन के साथ पर्यटन उत्पाद इंटरनेट पर सबसे अधिक कारोबार वाले उत्पादों में से एक बन गया है। पर्यटन, उत्पाद और सेवाएँ मध्यस्थों के माध्यम से उपलब्ध हो गई हैं। यद्यपि पर्यटन प्रदाता अपनी सेवाएँ सीधे बेच सकते हैं, इसने ऑन–लाइन और पारंपरिक दुकानों दोनों ही प्रकार के मध्यस्थों पर दबाव बनाया है। UNWTO का यह सुझाव है, कि प्रति व्यक्ति पर्यटन व्यय और जिस अंश तक देश दुनिया के सन्दर्भ में भूमिका निभाते है, इन दोनों के बीच में गहरा सम्बंध है, न केवल पर्यटन उद्योग के महत्त्वपूर्ण आर्थिक योगदान से स्थानीय अर्थ व्यवस्था को लाभ मिलता है, बल्कि यह उस विश्वास का भी संकेत है जिसके साथ दुनिया भर के नागरिक संसाधनों का लाभ उठाते हैं। यही कारण है कि पर्यटन में विकास का कोई भी अनुमान उस सापेक्ष प्रभाव का सूचक है, जिसे प्रत्येक राष्ट्र भविष्य में अनुभव करेगा। 21वीं सदी में अंतरिक्ष पर्यटन की उम्मीदे भी प्रबल हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहाँ इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 6.23% और भारत के कुल रोजगार में 8.78% योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 5 मिलियन विदेशी पर्यटकों का आगमन और 562 मिलियन घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाता है। भारत में पर्यटन के विकास और उसे बढावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय नोडल एजेंसी है और 'अतुल्य भारत' अभियान की देख–रेख करता है। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद के अनुसार, भारत सर्वाधिक 10 वर्षीय

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

विकास क्षमता के साथ, 2009–2018 में पर्यटन का आकर्षण का केन्द्र बन जाएगा।

महत्त्व

1. पर्यटन, शिक्षा को पूर्णता प्रदान करता है।
2. पर्यटन से धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और व्यावसायिक–व्यापारिक उद्देश्यों की प्राप्ति होती है।
3. पर्यटन की प्रेरणा राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, व्यावसायिक कारणों से प्राप्त होती है।
4. पर्यटन से सांस्कृतिक आदान–प्रदान बढता है।
5. पर्यटन में देश–दर्शन की भावना सर्वोपरि होती है।
6. पर्यटन से व्यक्ति का मनोरंजन होता है, और आत्मिक सुख मिलता है तथा अनुभव व्यवहार जन्य बनते हैं।
7. पर्यटन से स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर आय प्राप्त होती है।
8. पर्यटन से Global Village का concept और मजबूत होता है।
9. पर्यटन से भारत समाज की स्वदेशी मूल अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' साक्षात् स्पष्ट होती है।
10. पर्यटन से स्वदेशी संस्कृति का प्रसार होता है, तथा स्थानीय लोगों की वैश्विक समझ बढती है।
11. पर्यटन से सामाजिक–सांस्कृतिक स्वरूप का परिमार्जन होता है।

पर्यटन द्वारा सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन

संस्कृति शब्द, संस्कृत भाषा की 'कृ' धातु में 'सम' उपसर्ग और 'कितन्' प्रत्यय लगाने से बनता है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है–परिष्कृत करना/परिमार्जित करना। यह शब्द मनुष्य की सहज प्रवृतियों, नैसर्गिक शक्तियों और उनके परिष्कार का द्योतक है। प्रत्येक देश के मनुष्यों के आचार–विचार में भिन्नता होती है और निरन्तर परिष्कार अथवा सुधार की दृष्टि भी भिन्न होती है। संस्कृति शब्द से पृथ्वी के किसी विशिष्ट भूखण्ड के लोगों की मानसिक क्षमता एवं प्रगति का एक दीर्घकालीन इतिहास प्रगट होता है, अतः एक समाज के लोग पर्यटन यात्रा के दौरान स्थानीय स्तर के लोगों के साथ अपनी सांस्कृतिक समझ साझा करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वो अपनी सांस्कृतिक विरासत को परिष्कृत करते हैं, यथा– पाश्चात्य लोग भारत भ्रमण के दौरान जब राजस्थान सर्किट पर आते हैं, तो शेखावाटी और जयपुर की ईमारतों के भिति–चित्र, पुराने गढ महलों की बनावट और बसावट को देखते हैं तथा पश्चिमी राजस्थान के धोरों की लहरों और वहाँ के स्थानीय लोगों का पहनावा खान–पान, रहन–सहन रस्म–रिवाज इत्यादी सांस्कृतिक धरोहर को देखते हैं, और उनमें शामिल भी होते हैं। इससे उन पर्यटक लोगों की स्थानीय लोगों के साथ सांस्कृतिक समझ बन पाती है। इससे आगे आकल–वुड फॉसिल्स क्षेत्र में जाते है, वहाँ पुरातन विशाल आकार का प्राणी डायनासोर और उनके अवशेष देखते हैं, पर्यावरणीय घटकों को महशूश करते हैं। जैसलमेर के ऊँचे धोरों और माउण्ट–आबू से सूर्य अपनी दैनिक आवृति में लुढकता प्रतीत होता है इन दृश्यों को देखने के लिए देश–विदेश के हजारों शैलानी रोज आपस में मिलते हैं, और अपनी भाषा, भावनाओं और मानवीय प्रसंग के अन्य आयामों को विनिमियत (exchange) करते हैं। आगे आध्यात्मिक शांति का केन्द्र ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्व–विद्यालय में परम्–ब्रह्म के नजदीक पहुँचने का अभ्यास करवाया जाता है, जहाँ विदेशी लोग साल–छः महिने तक रूक कर ऐसी साधना में रत हो जाते है। तत्पश्चात अपने समाज

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

में वापस पहुँचकर इन सम्पूर्ण गतिविधियों को सामान्यीकृत करते हैं क्योंकि मानव एक सामाजिक प्राणी है। अतः मानवीय जीवन उच्च आदर्श, अच्छे आचरण द्वारा प्रसन्नचित भाव से प्राप्त करने के लिए, अपने सदा एक जैसे वातावरण से अलग हटना और वहाँ मानवीय क्रियाऐं सम्पादित करना सामाजिक माहौल में संस्कृतिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार एक समाज में प्रचालित प्रथाओं, मान्यताओं और सांस्कृतिक भावों को पर्यटन क्रिया द्वारा देश–विदेशी के लोग परिष्कृत करने में सहायक होते हैं। स्थानीय लोग अपने समाज में घर और आस–पास के क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों से आये पर्यटकों से अपनी समझ को परिमार्जित करते हैं।

निष्कर्ष

पर्यटन एक प्रक्रिया है जो बिना किसी उद्देश्य के अपने मनोरंजन और मानसिक खुशी तथा अवकाशकाल का सदुपयोग करने के लिए अन्य क्षेत्र के लोग किसी विशेष धरोहर और सम्पदा से सुसज्जित क्षेत्र या स्थान की यात्रा करते हैं, तथा आगे बढ जाते हैं, जिन्हें पर्यटक कहते हैं। इस प्रक्रिया में एक स्थानीय समाज पर विदेशी आगन्तुकों के सामाजिक–सांस्कृतिक पक्षों का प्रभाव पड़ता है, तथा स्थानीय लोग विदेशियों को प्रभावित करते है। एक–दूसरे के इन सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों और प्रतिमानों को स्वीकारते हैं। भारत में भारत पर्यटन विकास निगम कार्यरत है, जो पर्यटकों को 'अतिथि देवों भवः' की थीम के साथ सेवा उपलब्ध करवाता है। वैसे ही राजस्थान में RTDC पर्यटकों को 'पधारों नी म्हारे देश' थीम के साथ पर्यटन क्रियाओं में सामाजिक–सांस्कृतिक विनिमय का आधार प्रदान कर रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. बंसल, सुरेशचन्द्र (1990). भारत का वृहत्त भूगोल. नई दल्ली: मीनाक्षी प्रकाशन. 673–676.
[2]. पाण्डेय, गणेश (2003). भारतीय सामाजिक समस्याएँ. नई दिल्ली: राधा पब्लिकशन. 306–314.
[3]. व्यास, राजेश कुमार (2008). पर्यटन उद्भव एवं विकास. जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी. 70–91.
[4]. भीष्मपाल, एच. (2006). पर्यटकों का आकृषण राजस्थान. दिल्ली: साहित्य सुरभि. 1–64.
[5]. विजय, देवेश (2009). सांस्कृतिक इतिहास. दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेषालय. 259–300.
[6]. https//hi.wikipedia.org.
[7]. www.oxfordrefence.com/view.

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.